ये अव्यक्त इशारे

ब्रह्मा बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण स्थिति का अनुभव करो

28-11-2026

जैसे साकार में देखा लास्ट सम्पन्न व कर्मातीत स्टेज का पार्ट सिर्फ ब्लैसिंग देने का रहा, बैलेन्स की भी विशेषता और ब्लेसिंगस की भी कमाल रही। ऐसे फालो फादर। सहज और शक्तिशाली सेवा यही है। अब विशेष आत्माओं का पार्ट है ब्लेसिंगस देने का। चाहे नयनों से दो, चाहे मस्तकमणी द्वारा। कर्म करते भी कर्म के बन्धनों से सदा अतीत अर्थात् न्यारे रहो। कभी कर्मों के वशीभूत नहीं, कर्मेन्द्रियों द्वारा हर कर्म करते हुए अधिकारीपन के नशे में रहो, यही सम्पूर्णता की स्टेज है।

Experience the complete and perfect stage, the same as Father Brahma.

You saw in the sakar form that the part of the last karmateet stage was of just giving blessings. It was the speciality of keeping a balance and the wonder of giving blessings. Follow the father in the same way. This is the easy and powerful service. Now, the part of special souls is to give blessings, whether you give them with your eyes or the jewel on your forehead. While performing actions, always remain beyond any bondage of karma, that is, remain detached. Never become influenced by your karma. While performing every action with your the physical organs, keep the ntoxication of having a right: this is the stage of perfection.